Downloaded from https://cbsepoint.com/

खंड- क

उत्तर-01 (क)

प्रत्येक प्राणी का संबंध जीवन के एक-एक क्षण से होता है। किंतु व्यक्ति उसके महत्त्व को नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और ऊहापोह में वे जीवन के बहुमूल्य क्षणों को खो देते हैं।

उत्तर-01(ख)

किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए अर्थात कर्म किए बिना सफलता प्राप्त नहीं होती। समय भी उनका साथ छोड़ देता है जो भाग्य भरोसे बैठते हैं और कर्म नहीं करते। कर्म का कोई विकल्प नहीं होता इसलिए भाग्य भरोसे बैठना पुरुषार्थ का अपमान कहा गया है।

Downloaded from https://cbsepoint.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded from https://cbsepoint.com/

उत्तर-01(ग)

दार्शनिक अरस्तू के कथन - "प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" का आशय है कि व्यक्ति को सदैव ही समय का सम्मान, कर्म का पथ व जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति के लिए संघर्ष करना चाहिए। उचित अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

उत्तर-01(घ)

लक्ष्मी की प्राप्ति उसे ही होती है जो श्रम और समय का पारखी होता है अर्थात इनके महत्त्व को समझता है।

उत्तर-01(ङ)

शीर्षक :- "समय व कर्म का महत्त्व"

Downloaded from https://cbsepoint.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded From : www.cbseportal.com/

उत्तर · 02 (क)

राह में आने वाली बाधाओं के सिर को कुचलकर आगे बढ़ता है। तात्पर्य है कि कवि उन बाधाओं का डटकर सामना करता है व उन्हें हराकर जीवन में आगे बढ़ता है।

उत्तर · 02 (ख)

कवि हमें प्रेरणा देना चाह रहा है कि जीवन संघर्षों का दूसरा नाम है। बाधाएँ जो हमारी राह में अड़चने बनकर सामने आती हैं, उनसे जितना बचकर चलेंगे, उतनी ही बड़ी होकर वे सामने आएँगी। हमें उनका डटकर सामना करना चाहिए व जीवन रूपी नाव को भवसागर में अग्रसर रखना चाहिए।

उत्तर · 02 (ग)

कवि ने अपना माँझी इस जीवनरूपी भवसागर को पार कराने वाले के लिए कहा है। वह कवि का 'शुभचिंतक व मित्र' है।

Downloaded From : www.cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded From: http://cbseportal.com/

उत्तर · 02 (घ)

उन्नत भाल का आशय है कवि के समक्ष आई बाधाओं का सिर जिसे वह अपनी कुदाल से झुकाता है। यह बाधाओं का गुरूर है।

उत्तर · 02 (ङ)

जीवन की नैया का चतुर खिवैया - 'कवि' को कहा गया है।

Downloaded From: http://cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded From: https://cbseportal.com/

खंड - ख

उत्तर-03 (क)

मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु की भी याद आ रही है और फ़ादर के शब्दों से झरती शांति की भी याद आ रही है।

उत्तर-03 (ख)

रात होने पर आकाश में तारों के असंख्य दीपक जल उठे।

उत्तर-03 (ग)

उपवाक्य भेद :- संज्ञा उपवाक्य

उत्तर-04 (क)

हालदार साहब के द्वारा पान खाया गया।

Downloaded From: https://cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded from http://cbseportal.com/

उत्तर·04(ख)

दादा जी से प्रतिदिन पार्क में टहला जाता है।

उत्तर·04(ग)

गाँधी जी ने विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया

उत्तर·04(ङ)

खिलाड़ी से दौड़ा नहीं गया।

उत्तर·05(क)

विद्यालय से :- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, ~~करण~~ अपादान कारक

उत्तर·05(ख)

ध्यानपूर्वक :- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'सुनी' की विशेषता

उत्तर·05(ग)

तुमने :- सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यपुरुष, एकवचन, कर्ता कारक

Downloaded from http://cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

http://cbseportal.com/

उत्तर ·05 (घ)

दस :- विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, 'छात्र' की विशेषता।

उत्तर ·05 (ङ)

के बिना :- अव्यय, संबंधबोधक, परिश्रम और सफलता के मध्य संबंध स्थापित।

उत्तर · 06 (क)

उधर गरजती सिंधु लहरिया, कुटिल काल के जालों सी।
चली आ रही फेन उगलती, फन फैलाए व्यालों सी।

उत्तर · 06 (ग)

जुगुप्सा :- वीभत्स रस

http://cbseportal.com/
Courtesy : CBSE

http://dbeforum.com/

उत्तर ·06 (घ)

शांत रस का स्थायी भाव - 'निर्वेद' है।

उत्तर ·06 (ङ)

'शृंगार रस' को रसराज कहा जाता है।

खंड - ग

उत्तर ·07 (क)

लेखिका ने माँ की उपमा धरती से इसलिए किया है क्योंकि उनमें धरती जैसी सहनशीलता व धैर्य था। जिस प्रकार धरती सभी कष्टों को धैर्यपूर्वक सहती है उसी प्रकार लेखिका की माँ भी पिता जी के सारे अत्याचारों को व बच्चों की सभी उचित - अनुचित फरमाइशों को अपना दायित्व समझकर चुपचाप सहन करती थीं।

http://dbeforum.com/
Courtesy : CBSE

http://dbeportal.com/
Downloaded from

उत्तर·07(ख)

लेखिका को उनकी माँ का असहाय मज़बूरी में लिपटा त्याग कभी अच्छा नहीं। न ही उनकी सहिष्णुता लेखिका को भाई। उनकी माँ का यूँ ही बिना विरोध के सभी कार्यों को करते जाना व अन्याय का प्रतिकार न करने का स्वभाव ही वह कारण था जिससे वे कभी भी लेखिका की आदर्श न बन सकीं।

उत्तर·07(ग)

लेखिका व उनके भाई-बहनों का सहानुभूति अपनी माँ के साथ अधिक थी।

उत्तर·08(क)

लेखक ने फ़ादर बुल्के को यज्ञ की अग्नि की उपाधि समर्पित की है। वह उनकी याद में श्रद्धावनत है। यज्ञ की आग तपस्या से उत्पन्न होती है जो अत्यंत ही पवित्र होती है। फ़ादर का जीवन व व्यक्तित्व तरलता व पवित्रता की प्रतिमूर्ति था।

http://dbeportal.com/
Downloaded from
Courtesy : CBSE

http://dbeportal.com/
Downloaded from

अपने हर प्रियजन के लिए असीम ममत्व उनकी आँखों में साफ दृष्टव्य था। लेखक फ़ादर की पवित्रता से प्रभावित है। अस्तु उसने फ़ादर को यज्ञ की पवित्र आग की उपाधि समर्पित की है।

उत्तर-04(ख)

मन्नू भंडारी की अपने पिता से वैचारिक टकराहट बचपन में आरंभ हुई वह राजेंद्र से विवाह करने तक चलती रही। बचपन में पिता जी के अनजाने-अनचाहे व्यवहार ने लेखिका में हीन ग्रंथि का संचार किया। लेखिका से दो साल बड़ी बहन सुशीला का रंग गोरा था और लेखिका काली थी। पिता जी हर बात में उन दोनों की तुलना करते रहते थे जिसने लेखिका को शक्की स्वभाव का बना दिया और वे बात-बात पर भन्ना जाती थीं। यह था टकराहट का पहला कारण।

दूसरा कारण, यह था कि पिताजी चाहते थे कि लेखिका घर में ही रहे और बाहर जाकर सड़कों पर भाग न ले किंतु लेखिका का लहू लावा बन गया था और उसे आज़ादी के दायरे में चलना स्वीकार न था। इससे उन दोनों के मध्य वैचारिक टकराहट होती थी।

http://dbeportal.com/
Downloaded from
Courtesy : CBSE

Downloaded From www.cbseportal.com/

उत्तर · 08 (ग)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में सरकंडे का चश्मा मूर्ति पर लगाना यह दर्शाता है कि देशभक्ति की भावना अब भी बच्चे-बच्चे में कूट-कूट कर भरी है। कैप्टन की मृत्यु के पश्चात हालदार साहब मायूस हो गए और सोंचा कि अब सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति तो अवश्य होगी पर उस पर चश्मा नहीं होगा। वे उस कौम के लिए व्यथित थे जो देशभक्ति का मज़ाक उड़ाती है। जब वह कस्बे से गुज़रे तो उन्होंने देखा कि मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा था जैसा बच्चे बना लेते हैं। इतने में ही उनकी आँखें भर आई। उन्हें विश्वास हो गया कि देशभक्ति की भावना अब भी शेष है।

उत्तर · 08 (घ)

बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे बेटे के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करते थे व अधिक देखभाल करते थे। इसका कारण था कि वे मानते थे कि ऐसे लोग निगरानी व देखभाल के ज़्यादा हकदार होते हैं। उनके बेटे के पास कम अक्ल थी और बालगोबिन भगत सदैव उसे अपने संरक्षण में रखते थे।

Downloaded From www.cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Download from http://dbeportal.com/

उत्तर · 09 (क)

परशुराम के क्रुद्ध होने पर लक्ष्मण जी ने राम को निर्दोष साबित करने हेतु निम्नलिखित तर्क दिए :—

- लखन कहा हसि हमरे जाना | सुनहु देव सब धनुष समाना ॥
अर्थात हमारी नजर में तो सभी धनुष एक समान हैं | हम धनुष देखकर नहीं तोड़ते |
- बहु धनुही तोरी लरिकाई | कबहु न असि रिस कीन्हि गोसाईं ॥
अर्थात बचपन में हमने कितने धनुष तोड़े परन्तु आपने कभी क्रोध नहीं किया फिर इस धनुष पर इतनी ममता क्यों?
- धनुष पुराना था इसलिए राम के छूते ही टूट गया | इसमें उनका कोई दोष नहीं |

उत्तर · 09 (ख)

परशुराम ने अपनी शक्तियों के विषय में बताते हुए कहा कि "भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही |", "सहसबाहु भुज छेदनिहारा", "बालब्रह्मचारी अति कोही | बिस्व बिदित क्षत्रियकुल द्रोही ॥"
अर्थात उनकी शक्ति ने व कुठार ने कई बार पृथ्वी को क्षत्रियमुक्त

Courtesy : CBSE

http://dbeportal.com/ Downloaded from

किया है, जो कि विश्वविख्यात है। उन्होंने सहस्रबाहु की भुजाओं को छेद दिया। वे अपने को बालब्रह्मचारी व क्रोधी स्वभाव का भी बताते हैं।

उत्तर · 09(ग)

"परशुराम क्षत्रियकुल के शत्रु हैं" - यह बात विश्वविख्यात है।

उत्तर · 10 (क)

"संगतकार की हिचक उसकी विफलता नहीं बल्कि मनुष्यता है।" अर्थात जब मुख्य गायक का संगतकार साथ देता है तो वह अपनी आवाज़ व प्रतिभा को ऊँचा होने से रोक देता है। यही उसकी मनुष्यता है। ऐसा वह इसलिए करता है ताकि मुख्य गायक का प्रभाव व सम्मान बना रहे। उसका उद्देश्य गायक की आवाज़ को दबाना नहीं बल्कि उसे बुलंद बनाना है। यह हिचक उसकी आवाज़ में साफ सुनाई देती है। इसे उसकी मनुष्यता का परिचायक समझा जाना चाहिए। यह मनुष्यता वह मुख्य गायक का साथ देकर कायम रखता है।

http://dbeportal.com/ Downloaded from

Courtesy : CBSE

Downloaded From: http://cbseportal.com/

उत्तर-10 (ख)

'अट नहीं रही' कविता कवि 'निराला जी' ने फागुन की शोभा का अनुपम वर्णन किया है। "कहीं साँस लेते हो, घर-घर भर देते हो।", "पाट-पाट शोभा श्री, पट नहीं रही", "मंद-गंध पुष्पमाल" आदि पंक्तियाँ फागुन के सौंदर्य को व्यक्त करती हैं। फागुन में वातावरण सुगंधित हो जाता है, पक्षी चहचहाने लगते हैं, पेड़ों पर कहीं हरी कहीं लाल पत्तियों से ऐसा प्रतीत होता है कि फागुन स्वयं में 'ऋतुराज' है। फूल खिल उठते हैं, लगता है कि जैसे फागुन के गले में किसी ने पुष्पमाला डाल दी हो। यह फागुन की अनुपम शोभा है जो सृष्टि के प्राणियों को प्रसन्न कर देती है।

उत्तर-10 (घ)

हमारी दृष्टि से कन्या के साथ दान की बात करना सर्वथः अनुचित है। कन्या कोई वस्तु नहीं जिसका दान किया जा सके। उसका अपना स्वतंत्र अस्तित्व है। यह तो पुरुष-प्रधान समाज की न समझी का परिचायक है कि जिन बेटियों को हम देवी मानते हैं, उन्हीं को दान करने की बात कहते हैं।

Downloaded From: http://cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded From www.cbseportal.com/

जब लड़का-लड़की एक समान हैं तो दान की बात का कोई अस्तित्व ही नहीं होना चाहिए। यह सर्वथः अनुचित है।

उत्तर · 10 (ड०)

बच्चे की मुसकान को कवि ने दंतुरित कहा है क्योंकि उसकी मुसकान मनमोहक है जिसमें उसके छोटे दाँत भी दिख रहे हैं। कवि उसकी मुसकान देखने पर वात्सल्य के भाव से भर उठता है। उसे लगता है कि जैसे कमल का फूल तालाब छोड़कर उसकी झोपड़ी में खिल गया है। उसकी मनमोहक मुसकान से उसे लगता है :- "छू कर, परस पाकर तुम्हारा ही प्राण जल बन गया होगा पिघलकर कठिन पाषाण।" अर्थात उसकी मुसकान को देखकर कठोर हृदय भी तरल हो जाए। मृतक में भी जान आ जाए और बबूल के पेड़ों से शैफालिका के फूल गिरने लगें। कवि उसकी मुसकान से प्रभावित है।

Downloaded From www.cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded from http://cbseportal.com/

उत्तर-11

पाठ 'साना-साना हाथ जोड़ि' में लेखिका ने युमथांबा की एक युवती से प्रश्न किया कि, "क्या तुम सिक्किमी हो?" तो उसने उत्तर दिया "नहीं, मैं इंडियन हूँ।" इस कथन से यह स्पष्ट हो गया कि राष्ट्र किसी भी धर्म, स्थान, संप्रदाय से उच्च है।
राष्ट्र की सेवा का अर्थ यह है कि हम उसमें मौजूद सभी, नागरिकों, पक्षी, फूलों, पेड़ों आदि का सम्मान करें व उनके उत्थान के प्रयास करें। राष्ट्र के प्रति कर्तव्य मात्र सेना ही नहीं निभाती बल्कि प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की उन्नति में भागीदार होता है। हम अपने दैनिक जीवन से जुड़े कार्यों को ईमानदारी से करें, राष्ट्र के वातावरण को संरक्षित करें, भ्रष्टाचार न करें, अपने कार्यों को पूर्ण लगन के साथ करें, देश की सेना व संस्कृति का सम्मान करें। ज़रूरी नहीं है कि हर देशवासी उच्च पद पर पहुँच सके और देश सेवा कर सके। हमें व्यक्तिगत स्तर पर हर संभव प्रयास करना होगा जिससे राष्ट्र प्रगतिशील रहे। अपने मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में जागरूक होना, चुनावों में भाग लेकर मतदान करना, जाति-पाति की संकुचित मानसिकता से उबरना, राष्ट्रीय एकता बनाना,

Downloaded from http://cbseportal.com/
Courtesy : CBSE

Downloaded from https://dbeportal.com/

स्वच्छता बनाए रखना आदि कुछ ऐसे कार्य हैं जो नागरिक अपने राष्ट्र के प्रति कर के अपना प्रेम व्यक्त कर सकते हैं।

खंड - द

उत्तर - 12 (क)

महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

रूपरेखा :-

- प्रस्तावना
- जीवन शैली
- कामकाजी महिलाओं की समस्या
- सुरक्षा में कमी के कारण व सुझाव
- उपसंहार

Downloaded from https://dbeportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded From: http://cbseportal.com/

महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

★ प्रस्तावना :-

"देश के विकास की आधारशिला, महिलाओं से बनती है।" देश का हर नागरिक उसके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण होता है। आज आधुनिकता की होड़ ने व्यक्ति को व्यस्त बना रखा है। महानगर, जो वे शहर हैं जिनकी आबादी 50 लाख से ऊपर होती है, आज प्रगति की पहचान हैं। परंतु यह भी सत्य है कि आज इन महानगरों में ही हमारे देश की महिलाएँ सुरक्षित नहीं हैं। जिस भारत की उत्कृष्ट संस्कृति में महिलाओं को "दुर्गा, सरस्वता, लक्ष्मी" माना है आखिर क्यों आज वही महिलाएँ अपने ही देश में सुरक्षित नहीं हैं? यह एक चिंताजनक विषय है।

★ जीवन शैली :-

महानगरों की महिलाओं की जीवन शैली आज अत्यंत ही व्यस्त है। नारी शसक्तीकरण के चलते आज

Downloaded From: http://cbseportal.com/
Courtesy : CBSE

Downloaded From www.cbseportal.com/

महिलाएँ विभिन्न संस्थाओं में कार्यरत हैं व आत्म निर्भर हैं। परंतु यह तो उन महिलाओं के लिए है जो अपने अवसरों को पहचानती हैं। एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो शोषण का शिकार है। जी हाँ, महानगरों में केवल उच्च व अच्छे वातावरण की संस्थाएँ ही नहीं हैं बल्कि ऐसी संस्थाएँ भी हैं जहाँ का वातावरण दूषित व महिलाओं के लिए प्रतिकूल है। यह अपने और अपने परिवार के पालन-पोषण की मज़बूरी ही है जो महिलाओं को ऐसी संस्थाओं में कार्य करने पर विवश करता है जहाँ पर उनका शोषण होने की संभावनाएँ हैं।

★ कामकाजी महिलाओं की समस्या :-

वे महिलाएँ जो कार्य क्षेत्र से जुड़ी हैं उनके लिए सबसे बड़ी समस्या है अनुपयुक्त वक्त में ड्यूटी करना। अर्थात रात के समय, जब महिलाओं पर शोषण की पूरी संभावनाएँ होती हैं। इसका कारण लचर सुरक्षा व्यवस्था व संकुचित मानसिकता है। महिलाओं पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार जैसे :- यौन शोषण, एसिड से हमला, अपहरण आदि किए जाते हैं। यह एक शर्मनाक बात है कि स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद

Downloaded From www.cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded From: http://cbseportal.com/

भी हम महिलाओं को उनकी सुरक्षा नहीं दे पाए हैं।

★ सुरक्षा में कमियों के कारण व सुझाव :-

महिलाओं की लचर सुरक्षा व्यवस्था के लिए निश्चित रूप से ही प्रशासन की लचर व्यवस्था ज़िम्मेदार है। इसका कारण है - पुरुष प्रधान समाज जो हमेशा से ही महिलाओं की उन्नति का विरोधी रहा है परिणाम स्वरूप हमारी राजनीति में मात्र 10% महिलाएँ ही लोकसभा की सदस्य हैं। सन् 1990 से ही "महिला सुरक्षा बिल" अटका है। इतना ही नहीं पुलिस प्रशासन की लापरवाही के कारण भी आज महिलाएँ असुरक्षित हैं। भ्रूँढ़ हत्या जिसने देश में पुरुष-स्त्री का अनुपात बिगाड़ रखा है, लोगों की संकुचित मानसिकता को दर्शाता है। हम चाहे जितनी प्रगति कर लें हमारी मानसिकता आज भी महिला को भोग की वस्तु समझना है।

अब आखिर इस समस्या का समाधान क्या है? सर्वप्रथम कानून व्यवस्था को सख्ती बरतनी होगी अर्थात अपराधियों को दंड देना होगा। जब एक अपराधी सलाखों के पीछे जाएगा तो अपने आप ही बाकी भयभीत रहेंगे।

Downloaded From: http://cbseportal.com/
Courtesy : CBSE

Downloaded From www.cbseportal.com/

महिलाओं को स्वयं में आत्मविश्वास व शक्ति लानी होगी तभी वे सुरक्षित रहेंगी। हेल्पलाइन नंबर व महिलाओं को जागरूक कर के हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

☆ उपसंहार :-

महिला सुरक्षा आज एक बड़ा प्रश्न है मानवता के लिए। यह हमारा दायित्व है कि हम प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करें। स्त्री शिक्षा को बढ़ावा दें व सच्चे अर्थों में स्त्री-पुरुष एक समान की धारणा को अपनाएँ। यह आज राष्ट्र व समय की आवश्यकता है। "एक महिला पूरी पीढ़ी का निर्माण करने में काबिल होती है।"

उत्तर-13.

सेवा में,

थानाध्यक्ष जी

--- थाना

अ ब स नगर

विषय :- क्षेत्र में बढ़ते अपराधों के संदर्भ में।

Downloaded From www.cbseportal.com/

Courtesy : CBSE

Downloaded From: http://cbseportal.com/

महोदय,

इस पत्र द्वारा मैं आपका ध्यान इंदिरा नगर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराधों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। गत एक माह से हमारे क्षेत्र में अपराधियों की संख्या में वृद्धि आई है। अपराधी निर्भय होकर सड़कों पर घूमते हैं। महिलाओं की चेन छीन लेते हैं। कई घरों में चोरी की घटनाएँ भी दृष्टव्य हुई हैं। अपराधी घरों में घुस कर बंदूक की नोक पर लोगों का अपहरण भी कर रहे हैं। पुलिस इन घटनाओं पर अंकुश लगाने में असफल रही है। हमने कई बार चौकियों पर शिकायत भी की किंतु परिणाम नहीं निकले। परिणाम स्वरूप हम सभी भयाक्रांत हैं व हमारी दैनिक गतिविधियाँ बुरी तरह से प्रभावित हैं। अस्तु आपसे सादर अनुरोध है कि इस समस्या के विषय में समुचित कार्रवाही करने की कृपा करें ताकि हम सभी नागरिक शांति पूर्ण ढंग से जीवन निर्वाह कर सकें।

मैं आपका आभारी रहूँगा।

भवदीय

क ख ग

19/03/20XX

Downloaded From: http://cbseportal.com/
Courtesy : CBSE

Downloaded From: http://cbseportal.com/

उत्तर - 14.

आगया! आ गया! आ गया!

खुशियों की गरदी!

ब्लू वर्ड वाटर पार्क

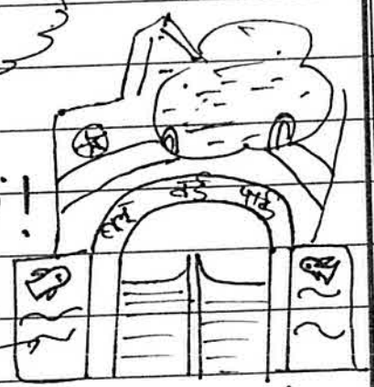

अब आपके शहर में!
आज ही आएँ और मस्ती करें!

- पानी के विभिन्न खेल।
- रोमांचक झूले।
- खान - पान की स्वच्छ व्यवस्था।
- मनोरंजन की व्यवस्था।

जल्दी करें!
पहले सौ ग्राहकों को एक महीने का मुफ्त पास!

पता :- 31/204 सेक्टर-बी, अ ब स नगर
मोबाइल नंबर :- 99800XXXXX

Downloaded From: http://cbseportal.com/
Courtesy : CBSE

http://dbeportal.com/
Downloaded from

http://dbeportal.com/
Downloaded from
Courtesy : CBSE